कार्यालय निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर

क्रमांक – उनि/सशि/पुस्तकालय/2018–19/ 19 दिनांक –02.05.2019

समस्त जिला शिक्षा अधिकारी,
माध्यमिक (मुख्यालय)

विषय :– पुस्तकालयों के बेहतर उपयोग के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि गत वर्षों में राजकीय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुस्तकालयों में पुस्तकें क्रय करने के लिए नियमित बजट के अतिरिक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् द्वारा पुस्तकें क्रय करने के लिए बजट आवंटित किया गया है। इसी प्रकार नवक्रमोन्नत माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में केन्द्रीय क्रय योजना के तहत बजट आवंटन एवं माननीय शिक्षा मंत्री स्व विवेक कोष के तहत पुस्तकें प्रेषित की जा रही हैं। विभाग स्तर पर पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए पूर्ण प्रयास किये गये हैं।

यह ध्यान में लाया गया है कि विभिन्न योजनाओं के तहत प्रेषित किये गये पुस्तकों के बण्डल अभी भी कतिपय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों अथवा अन्य स्थान पर पड़े हैं। निर्देशित किया जाता है कि इन बण्डलों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संबंधित विद्यालयों में प्रेषित किये जायें एवं वर्तमान में उपलब्ध तथा वितरित बंडलों की सूचना 10 दिवस में इस कार्यालय को प्रेषित की जाए।

अध्ययन अध्यापन को प्रभावशाली बनाने के लिए यह जरूरी है कि शिक्षक एवं विद्यार्थी पाठ्य पुस्तकों के अलावा पुस्तकालय की अन्य पुस्तकों का भी उपयोग करें। पुस्तकालय के समुचित उपयोग के लिए अग्रांकित बिंदुओं की पालना सुनिश्चित करवाई जाये।

1. विद्यालय में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी को उनके स्तर के अनुरूप पुस्तकें उपलब्ध करवाई जायें।
2. पुस्तकालय में आने वाली नई पुस्तकों के संबंध में शिक्षक एवं विद्यार्थियों को अवगत करवाया जाये।
3. विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन की गई पुस्तकों की समीक्षा लिखवाई जाकर मूल्यांकन करवाया जाये। इस संबंध में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जाये।
4. महापुरूषों के जयंतियों, राष्ट्रीय पर्वों एवं उत्सवों के आयोजन एवं शनिवारीय बाल सभाओं में निबन्ध लेखन, आशु भाषण, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जायें।
5. शब्दकोश से शब्दों को खोजने की प्रतियोगिता आयोजित करवाई जाये।
6. हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र पढ़ने की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाये।
7. विषय अध्यापक द्वारा हिन्दी, अंग्रेजी एवं तृतीय भाषा में सुलेख एवं श्रुत लेख लिखवाए जायें।
8. कहानी कथन, कविता कथन, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन समय–समय पर करवाया जाये।
9. विद्यार्थियों को डायरी लिखने के लिए प्रेरित किया जाये। विद्यार्थियों द्वारा जो पुस्तक पढ़ ली गई है, उसके महत्वपूर्ण बिन्दु डायरी में लिखे जायें।
10. विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं जैसे पूर्व इंजीनियरिंग, नीट, नर्सिंग पाठ्यक्रम, आई.टी.आई, पूर्व एस.टी.सी., लिपिक परीक्षा आदि की जानकारी दी जायें। इससे विद्यार्थियों को अपना करियर चुनने में मदद मिलेगी।
11. स्क्रेप बुक, भित्ति पत्रिका आदि का निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाये।
12. हिन्दी दिवस, पर्यावरण दिवस, विज्ञान दिवस जैसे महत्वपूर्ण दिवसों पर संबंधित पुस्तकों के प्रदर्शनी लगाई जाये। इससे विद्यार्थियों को विभिन्न पुस्तकों की जानकारी प्राप्त होगी।

(नथमल डिडेल)
आई.ए.एस.
निदेशक माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान,बीकानेर

www.rajteachers.com

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1 निजी सचिव, श्रीमान प्रमुख शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2 निजी सचिव, आयुक्त राज. स्कूल शिक्षा जयपुर।
3 समस्त मंडल संयुक्त निदेशक एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी।
4 रक्षित पत्रावली।

उपनिदेशक
समाज शिक्षा राजस्थान
बीकानेर